



## TOP STORY

# VC Raj Nehru urged Media Community to follow high ethics & standard of journalism profession

Jag Mohan Thaken  
Chandigarh:

Vice Chancellor of JC Bose University of Science and Technology, YMCAs, Faridabad, Raj Nehru on Tuesday urged the media community to introduce a tradition to administer an oath before joining the Media Profession like of Doctor, Lawyer, Judge and Minister, that they will uphold the high ethics and standard of journalism profession.

VC Nehru was addressing the National Seminar on 'Media: Challenges and Opportunities', organized by the Department of Communication and Media Technology (CMT) of the University. Former Vice-Chancellor of the University, Prof. Dinesh Kumar was the chief guest in the program and Rana Yashwant, Managing Editor and Senior Journalist, India News Network, was keynote speaker on this occasion.

Congratulating the media community on National Press Day, VC Nehru expressed concern over the trustworthiness of news content being presented by the media. Referring to a survey report on Global Trustworthiness Index, Nehru said that the Advertising profession is among the most untrustworthy professions after politicians and ministers, and it is more shocking that the fact came out from a 46-nation survey by Reuters Institute, that only 38% people from India trust on news and ranked on 31.

In this survey, Finland is on top with overall trust of 65 per cent, while the US is placed at the bottom with 29 per cent score. It is because of how and what is presenting to the society by media.

He said that the media is considered as the fourth pillar of democracy after Legislature,

Judiciary and Executive. But, how do the media play the role of fourth pillar? It is about transparency, clarity and honesty which means it communicates what is happening in the Legislature, Judiciary and Executive.

As far as the report is concerned, the fourth pillar seems to be completely shattered. The professionals who entered the profession are responsible for its degradation. When a Doctor, Lawyer, Judge and Minister take an oath while assuming the duties, why should not Media Professionals? They may not hold Geeta in their hands, but they internalize Geeta that they will be committed to their profession.

Addressing the session, former Vice Chancellor Prof. Dinesh Kumar urged the students to be committed and hard work and said

that they should be ready to obtain knowledge of all domains. He said that younger people want to join big media houses but they do not work hard and get proper knowledge and training to meet their standards. He said that there is no substitute for hard-working.

In his keynote address, Managing Editor India News Network, Rana Yashwant gave important tips on TV Journalism to media students. He said that the media profession requires a great deal of understanding on a variety of complex issues. Speaking on different subjects requires coordination between the mind and the tongue, so one should have command over the language and must have the knowledge of using the right words, he added.



## PIONEER

# पत्रकारिता की नैतिकता एवं मानदंड बनाये रखें : नेहरू

युवा पत्रकार सही  
ज्ञान, कौशल और  
प्रशिक्षण प्राप्त करें  
: प्रो. दिनेश कुमार

मीडिया छात्रों को  
जटिल मुद्दों की  
गहरी समझ जरूरी  
: राणा यशवंत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विवि, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति, राज नेहरू ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष में मीडिया समुदाय से आग्रह किया कि वे मीडिया से जुड़ने वाले युवाओं को चिकित्सकों, वकीलों, न्यायाधीशों और मंत्रियों की भांति शपथ दिलाने की परम्परा की शुरुआत करें कि वे पत्रकारिता पेशे



जेसी बोस विश्वविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर कार्यक्रम का दीप जला कर शुभारंभ करते कुलपति राज नेहरू।

की उच्च नैतिकता और मानदंडों को बनाए रखेंगे।

नेहरू विवि के कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग (सीएमटी) द्वारा 'मीडिया - चुनौतियां और अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। विवि के पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि और इंडिया न्यूज नेटवर्क के प्रबंध संपादक और वरिष्ठ पत्रकार राणा यशवंत मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर लिबरल

आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज संकाय के डीन प्रो. अतुल मिश्रा और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी मौजूद थे। सेमीनार का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पवन सिंह मलिक ने किया।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया समुदाय को बधाई देते हुए नेहरू ने वर्तमान में मीडिया समाचारों की विश्वसनीयता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बाद मीडिया को लोकतंत्र का चौथा

स्तंभ माना जाता है, लेकिन, मीडिया चौथे स्तंभ की भूमिका कैसे निभा रहा है, यह सोचने का विषय है। लोकतंत्र के चौथा स्तंभ के रूप में मीडिया को पारदर्शिता, स्पष्टता और ईमानदारी के समाचारों को दिखाना चाहिए। जिसका अर्थ यह है कि मीडिया द्वारा विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका में क्या हो रहा है, इसका सही वर्णन करें। जहां तक रिपोर्ट की बात है तो चौथा स्तंभ पूरी तरह से बिखर रहा है और इस बिखराव के लिए मीडिया से जुड़ने वाले पेशेवर लोग जिम्मेदार हैं। जब एक डॉक्टर, वकील, जज और मंत्री कर्तव्य निभाते हुए शपथ लेते हैं, तो मीडिया पेशेवर क्यों नहीं? वे भले ही गीता को अपने हाथों में रखकर शपथ न लें, लेकिन वे गीता को आत्मसात करें कि वे अपने पेशे के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने छात्रों से पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध रहने और कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।



## PUNJAB KESARI

# ‘मीडिया से जुड़ने वाले युवाओं को दिलाई जाए शपथ’

■ युवा पत्रकार सही ज्ञान, कौशल और प्रशिक्षण प्राप्त करें: प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 16 नवम्बर (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति, राज नेहरू ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य में मीडिया समुदाय से आग्रह किया कि वे मीडिया से जुड़ने वाले युवाओं को चिकित्सकों, वकीलों, न्यायाधीशों और मंत्रियों की भांति शपथ दिलाने की परम्परा को शुरूआत करें कि वे पत्रकारिता पेशे की उच्च नैतिकता एवं मानदंडों को बनाए रखेंगे।

नेहरू विश्वविद्यालय के कम्प्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग (सीएमटी) द्वारा ‘मीडिया - चुनौतियाँ और अवसर’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि और इंडिया न्यूज नेटवर्क के प्रबंध संपादक और वरिष्ठ पत्रकार राणा यशवंत मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज संकाय के डीन प्रो. अतुल मिश्रा और कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी मौजूद थे। सेमीनार का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पवन सिंह मलिक ने किया।



राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया के विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कुलपति राज नेहरू एवं मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया समुदाय को बधाई देते हुए नेहरू ने वर्तमान में मीडिया समाचारों की विश्वसनीयता पर चिंता व्यक्त की। ग्लोबल ट्रस्टवर्थनेस इंडेक्स पर एक सर्वेक्षण रिपोर्ट का जिक्र करते हुए नेहरू ने कहा कि विज्ञापन का पेशा राजनेताओं और मंत्रियों के बाद सबसे अविश्वसनीय व्यवसायों में से एक है, तथा यह और भी चैंकाने वाला है कि रॉयटर्स इंस्टीट्यूट के 46 देशों के सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया कि भारत के केवल 38 प्रतिशत लोग समाचार पर भरोसा करते हैं और समाचारों की विश्वसनीयता को लेकर देश को 31वाँ रैंक मिला है। इस सर्वेक्षण में फिनलैंड 65 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है, जबकि अमेरिका 29 प्रतिशत के साथ सबसे नीचे है। इसकी मुख्य कारण यह है

कि मीडिया द्वारा समाज के सामने क्या और किस तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बाद मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। लेकिन, मीडिया चौथे स्तंभ की भूमिका कैसे निभा रहा है, यह सोचने का विषय है। लोकतंत्र के चौथा स्तंभ के रूप में मीडिया को पारदर्शिता, स्पष्टता और ईमानदारी के समाचारों को दिखाना चाहिए। जिसका अर्थ यह है कि मीडिया द्वारा विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका में क्या हो रहा है, इसका सही वर्णन करें। जहां तक रिपोर्ट की बात है तो चौथा स्तंभ पूरी तरह से बिखर रहा है और इस बिखराव के लिए मीडिया से जुड़े वाले पेशेवर लोग जिम्मेदार हैं। जब एक डॉक्टर, वकील, जज और मंत्री

कर्तव्य निभाते हुए शपथ लेते हैं, तो मीडिया पेशेवर क्यों नहीं? वे भले ही गीता को अपने हाथों में रखकर शपथ न लें, लेकिन वे गीता को आत्मसात करें कि वे अपने पेशे के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने छात्रों से पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध रहने और कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया और कहा कि वे सभी क्षेत्रों एवं विषयों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमेशा तैयार रहें। उन्होंने कहा कि मीडिया के विद्यार्थी हमेशा बड़े मीडिया हाउस से जुड़ना चाहते हैं लेकिन वे इसके लिए कड़ी मेहनत नहीं करते। मीडिया के उच्च मानकों को पूरा करने के लिए उन्हें उचित ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने नवोदित पत्रकारों से आग्रह किया कि वे आधुनिकतम तकनीकी कौशल के साथ-साथ भाषायी कौशल पर काम करें। राणा यशवंत ने अपने मुख्य भाषण में मीडिया के छात्रों को टीवी पत्रकारिता पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के विद्यार्थियों को विभिन्न जटिल मुद्दों पर गहरी समझ की आवश्यकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों पर बोलने के लिए दिमाग और जुबान के बीच तालमेल होना आवश्यकता है। इसलिए, उन्हें भाषा पर पकड़ और शब्दों का सही उपयोग का ज्ञान होना चाहिए।



## AMAR UJALA

### अच्छी पत्रकारिता के लिए उच्च मापदंड अपनाने होंगे : कुलपति

A.U 17-11-2021

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए के कुलपति राज नेहरू ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया समुदाय से आग्रह किया कि वे मीडिया से जुड़ने वाले युवाओं को चिकित्सकों, वकीलों, न्यायाधीशों और मंत्रियों की भांति शपथ दिलाने की परंपरा को शुरूआत करें। जिससे पत्रकारिता पेशे की उच्च नैतिकता एवं मानदंडों को बनाया रखा जा सके। वह 'मीडिया - चुनौतियां और अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि और वरिष्ठ पत्रकार राणा यशवंत मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज संकाय के डीन प्रो. अतुल मिश्रा और कुलसचिव डॉ. एसके. गर्ग भी मौजूद रहे। सेमिनार का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पवन सिंह मलिक ने किया। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया समुदाय को बधाई देते हुए राज नेहरू ने वर्तमान में मीडिया समाचारों की विश्वसनीयता पर चिंता व्यक्त की। ग्लोबल ट्रस्ट वर्थनेस इंडेक्स पर एक सर्वेक्षण रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि विज्ञापन का पेशा राजनेताओं और मंत्रियों के बाद सबसे अविश्वसनीय व्यवसायों में से एक है, यह और भी चौंकाने वाला है कि रॉयटर्स इंस्टीट्यूट के 46 देशों के सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया कि भारत के केवल 38 प्रतिशत लोग समाचार पर भरोसा करते हैं। समाचारों की विश्वसनीयता को लेकर देश की 31वीं रैंक मिली है। इस सर्वेक्षण में फिनलैंड 65 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है, जबकि अमेरिका 29 प्रतिशत के साथ सबसे नीचे है। पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने छात्रों से पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध रहने और कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान मीडिया के विद्यार्थियों द्वारा मीडिया: भांतियां एवं तथ्य हास्य कटाक्ष का भी मंचन किया गया।



मीडिया प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति राज नेहरू एवं मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश कुमार।

### पत्रकार पर समाज की मुख्य जिम्मेदारी : उपायुक्त

फरीदाबाद। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मंगलवार को लघु सचिवालय में उपायुक्त जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला के पत्रकारों ने बहु-चर्चाकर हिस्सा लिया। सबसे पहले उन्होंने आए हुए सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय पत्रकार दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि उपायुक्त ने कहा कि पत्रकार समाज का चौथा स्तंभ है। प्रशासन को मीडिया के साथ समन्वय बनाकर चलना चाहिए।

### छात्रों को सम्मानित किया गया

कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्रों को कार्यक्रम के मुख्यातिथि ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्टूनिस्ट हंट में अनुज जैन ने प्रथम और श्रुति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फोटोग्राफी में कृतिका नागर और प्रिंस डागर क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान पर रहे। शीर्षक लेखन में ईशांजलि प्रथम और ऋषिका द्वितीय स्थान पर रहे। आशु भाषण प्रतियोगिता में यशिता नागपाल ने पहला, साहिल कौशिक ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। मिमिक्री में गनन भाटिया ने प्रथम तथा अनुज जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।



**J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad**  
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009  
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING:17.11.2021**

**HADOTI ADHIKAR**

# मीडिया छात्रों को जटिल मुद्दों की गहरी समझ जरूरी : राणा यशवंत

## अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 16 नवम्बर। जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के कुलपति, श्री राज नेहरू ने राष्ट्रीय प्रैस दिवस के उपलक्ष में मीडिया समुदाय से आग्रह किया कि वे मीडिया से जुड़ने वाले युवाओं को चिकित्सकों, वकीलों, न्यायाधीशों और मंत्रियों की भांति शपथ दिलाने की परम्परा की शुरुआत करें कि वे पत्रकारिता पेशे की उच्च नैतिकता एवं मानदंडों को बनाए रखेंगे।

श्री नेहरू विश्वविद्यालय के कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग (सीएमटी) द्वारा 'मीडिया - चुनौतियां और अवसर' विषय पर

आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य अतिथि और इंडिया न्यूज नेटवर्क के प्रबंध संपादक और वरिष्ठ पत्रकार राणा यशवंत मुख्य वक्ता रहे।

राणा यशवंत ने अपने मुख्य भाषण में मीडिया के छात्रों को टीवी पत्रकारिता पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के विद्यार्थियों को विभिन्न जटिल मुद्दों पर गहरी समझ की आवश्यकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विषयों पर बोलने के लिए दिमाग और जुबान के बीच तालमेल होना आवश्यकता है। इसलिए, उन्हें भाषा पर पकड़ और

शब्दों का सही उपयोग का ज्ञान होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मीडिया के विद्यार्थियों द्वारा मीडिया: भ्रांतियाँ एवं तथ्य हास्य कटाक्ष का भी मंचन किया गया, जिसे काफी सराहा गया। इस अवसर पर कुलपति और अतिथियों ने विभाग के पूर्व छात्रों को सम्मानित किया और कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज संकाय के डीन प्रो. अतुल मिश्रा और कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी मौजूद थे। सेमीनार का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पवन सिंह मलिक ने किया।





**J. C. Bose University of Science and Technology, YMCAs, Faridabad**  
(formerly YMCAs University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009  
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006  
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING:17.11.2021**

## NAVBHARAT TIMES

# 'मीडिया में चुनौतियां' विषय पर हुई संगोष्ठी

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: प्रेस दिवस के मौके पर जेसी बोस यूनिवर्सिटी में मीडिया-चुनौतियां और अवसर विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति दिनेश कुमार मुख्य अतिथि रहे। यूनिवर्सिटी के कुलपति श्रीराज नेहरू ने कहा कि मीडिया से जुड़ने वाले युवाओं को चिकित्सकों, वकीलों, न्यायाधीशों व मंत्रियों की तरह शपथ दिलाने की परंपरा की शुरुआत होनी चाहिए। प्रोफेसर दिनेश कुमार ने पत्रकारिता के छात्र सभी क्षेत्रों व विषयों का ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमेशा तैयार रहें। इस मौके पर प्रोफेसर अतुल मिश्रा, कुलसचिव डॉ.एस.के.गर्ग, डॉ.पवन मलिक आदि मौजूद रहे।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad  
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009  
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:17.11.2021

## HINDUSTAN

# ‘छात्रों को जटिल मुद्दों की समझ हो’

फरीदाबाद | संवाददाता

जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति, राज नेहरू ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के उपलक्ष्य में मीडिया समुदाय से आग्रह किया कि वे मीडिया से जुड़ने वाले युवाओं को चिकित्सकों, वकीलों, न्यायाधीशों और मंत्रियों की भांति शपथ दिलाने की परम्परा की शुरुआत करें कि वे पत्रकारिता पेशे की उच्च नैतिकता एवं मानदंडों को बनाए रखेंगे। साथ ही उन्होंने मीडिया छात्रों के लिए जटिल मुद्दों की समझ होना जरूरी बताया।

नेहरू विश्वविद्यालय के

### जन को जागरूक करने में मीडिया का अहम योगदान

पलवल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के मुख्य सचिव पीयूष शर्मा ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बधाई देते हुए कहा कि जन को जागरूक करने में मीडिया का बहुत बड़ा योगदान है। राष्ट्र निर्माण के साथ राष्ट्र के समक्ष आने वाली समस्याओं के समाधान की दिशा में सक्रिय रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने अथवा योगदान देने के लिए जनता को जागरूक होना पहली आवश्यकता है।

कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग (सीएमटी) द्वारा ‘मीडिया - चुनौतियां और अवसर’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मुख्य

अतिथि और इंडिया न्यूज नेटवर्क के प्रबंध संपादक और वरिष्ठ पत्रकार राणा यशवंत मुख्य वक्ता रहे। लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज संकाय के डीन प्रो. अतुल मिश्रा और कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी मौजूद थे।





**J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad**  
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009  
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006  
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.icboseust.ac.in](http://www.icboseust.ac.in)



GOLDEN JUBILEE YEAR  
(1969-2019)

**NEWS CLIPPING:17.11.2021**

## DAINIK JAGRAN

### मैकेनिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग होगी हिंदी में

फरीदाबाद : जिले की जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग के छात्रों को हिंदी भाषा में भी शिक्षा दी जाएगी। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने बीटेक के दो कोर्स हिंदी में शुरू करने का फैसला किया है। इससे उन छात्रों को लाभ मिलेगा, जिन्हें अंग्रेजी भाषा में बीटेक की पढ़ाई करने में परेशानी होती थी। उल्लेखनीय है कि अभी तक तकनीकी शिक्षा अंग्रेजी में दी जाती है। उन छात्रों को पढ़ाई परेशानी आती थी, जिनकी अंग्रेजी बहुत अच्छी नहीं रहती है और संकोच के चलते अध्यापकों के अपनी विषय संबंधी दुविधा को भी नहीं पूछ पाते हैं। इसके चलते वह पिछड़ जाते हैं। प्रदेश सरकार ने ऐसे छात्रों को राहत देने के उद्देश्य से राज्य की तीन यूनिवर्सिटी को बीटेक की पढ़ाई हिंदी कराने के निर्देश दिए हैं। इसमें औद्योगिक जिले की जेसी बोस यूनिवर्सिटी का भी नाम शामिल है। यूनिवर्सिटी के कार्यकारी कुलपति राज नेहरू ने बताया कि सरकार के निर्देश के बाद प्रबंधन ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग हिंदी भाषा कराने का फैसला किया है। इसके लिए दाखिला प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। (जास)